

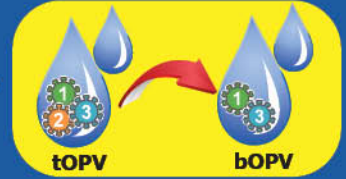


समझदारी दिखाएँ!  
अपने बच्चे का  
सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएँ

TOPV से bOPV  
**स्विच**

25 अप्रैल  
2016

अक्सर  
पूछे जाने वाले  
सवाल



कोल्ड चेन संचालक और  
ए.एन.एम. के लिए

पोलियो मुक्त भारत • पोलियो मुक्त विश्व



स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय  
भारत सरकार



World Health  
Organization

unicef

Rotary



# tOPV से bOPV स्विच दिवस

25 अप्रैल  
2016

पोलियो मुक्त भारत • पोलियो मुक्त विश्व

देश से पोलियो को जड़ से मिटाकर भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत में पोलियो का आखिरी केस 13 जनवरी 2011 को सामने आया था। तत्पश्चात् 27 मार्च 2014 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भारत को पोलियो मुक्त प्रमाणित किया। भारत में पोलियो पर जीत आपकी जीत है और यह आपके अथक प्रयासों और प्रतिबद्धता का नतीजा है। बधाई!!

देशभर में इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आई.पी.वी.) का एक टीका नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में नवंबर 2015 में शुरू किया गया है। पोलियो के प्रति डबल सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों को ओ.पी.वी. की तीसरी खुराक के साथ आई.पी.वी. का एक टीका दिया जा रहा है।

इस पुस्तिका में कोल्ड चेन कर्मचारी और ए.एन.एम. के लिए आगामी tOPV से bOPV स्विच पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है ताकि वे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से समझ सकें और 25 अप्रैल 2016 को स्विच के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें।

## स्विच क्यों और उसका क्या महत्व है?

ट्राइवैलेंट ओरल पोलियो वैक्सीन (tOPV) का उपयोग फिलहाल नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों में किया जा रहा है। इसमें सभी तीन प्रकार के पोलियो वायरस—टाइप 1, 2 और 3 से लड़ने की क्षमता है। चूंकि वर्ष 1999 से दुनिया में कहीं भी पोलियो वायरस टाइप 2 नहीं पाया गया है, इसलिए टाइप 1, 2 और 3 वाले tOPV को अभी भी देना जरूरी नहीं है।

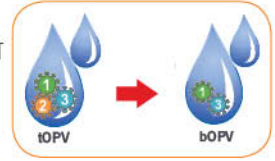
बाइवैलेंट ओरल पोलियो वैक्सीन (bOPV), जिसमें सिर्फ टाइप 1 और 3 होते हैं, अब दुनियाभर में tOPV की जगह इस्तेमाल की जाएगी। यह बाकी बचे पोलियो वायरस टाइप 1 और 3 से बचाएगा। भविष्य में नियमित टीकाकरण तथा पोलियो अभियानों में bOPV का ही प्रयोग होगा।

tOPV से bOPV को बदलने की प्रक्रिया को स्विच कहते हैं और यह विश्व स्तर पर एक समन्वित प्रक्रिया है। भारत में bOPV 25 अप्रैल 2016 को tOPV की जगह लेगा और इसी दिन राष्ट्रीय स्विच दिवस मनाया जाएगा। tOPV का पूरा स्टॉक वापस ले लिया जाएगा और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे नष्ट कर दिया जाएगा।

## स्विच क्या है?

### 1. स्विच क्या है?

नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों के लिए उपयोग किए जाने वाले tOPV को पूरी तरह से हटाकर bOPV लाया जाएगा। इसे ही **स्विच** कहते हैं।



### 2. स्विच कब होगा?

पूरे भारत में 25 अप्रैल 2016 को राष्ट्रीय स्विच दिवस घोषित किया गया है और इसी दिन **स्विच** होगा।

### 3. स्विच के दौरान क्या होगा?

नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों में उपयोग किए जाने वाले tOPV के मौजूद सभी स्टॉक को कोल्ड चेन से वापस ले लिया जाएगा और दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे नष्ट कर दिया जाएगा। **स्विच** दिवस की तारीख यानि 25 अप्रैल 2016 से सिर्फ bOPV का उपयोग किया जाएगा।

### 4. क्या स्विच स्थिति या स्थान पर निर्भर करता है?

नहीं, यह वैकल्पिक नहीं है। भारत में सभी राज्यों, जिलों और प्रखंडों (ब्लॉक्स) को **स्विच** दिवस यानि 25 अप्रैल 2016 की तारीख का पालन करना होगा।

## स्विच से सम्बन्धित सवाल

### 1. क्या bOPV पोलियो ड्रॉप्स उसी तरह दी जा सकती हैं जैसे कि tOPV पोलियो ड्रॉप्स दी जाती थीं?

हाँ, इसमें कोई अंतर नहीं है। नियमित टीकाकरण में bOPV देने की समय सारणी मौजूदा tOPV समय सारणी के अनुसार ही होगी। पांच वर्ष से छोटे सभी बच्चों को पोलियो अभियान के दौरान भी bOPV दिया जाएगा।

### 2. क्या जिस बच्चे को पहले tOPV ड्रॉप्स पिलाई जा चुकी हैं उसे bOPV ड्रॉप्स पिलाना सुरक्षित है?

हाँ, जिस बच्चे को पहले tOPV ड्रॉप्स पिलाई जा चुकी है उसे bOPV ड्रॉप्स पिलाना बिल्कुल सुरक्षित है।

### 3. क्या स्विच की तारीख के बाद भी tOPV उपलब्ध होगा?

नहीं, **स्विच** के पूरा होने के बाद दुनिया में कहीं भी tOPV उपलब्ध नहीं होगा।

### 4. अगर एक बच्चे को bOPV और आई.पी.वी. दोनों दे दिए जाते हैं, तो क्या यह सुरक्षित है?

हाँ, दोनों ही वैक्सीन पोलियो से डबल सुरक्षा के लिए मिल कर काम करते हैं।

### 5. tOPV और bOPV वैक्सिन वायल के बीच अंतर कैसे करेंगे?

tOPV और bOPV की वायल के रंग में कोई फर्क नहीं है। कोल्ड चेन संचालक और ए.एन.एम. को **स्विच** तारीख 25 अप्रैल 2016 के बाद वैक्सीन वितरित करने या देने से पहले वायल पर लगे लेबल को बहुत ध्यान से पढ़ना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वायल में bOPV ही है।



tOPV से bOPV  
**स्विच**

25 अप्रैल  
2016

## कोल्ड चेन संचालकों की जिम्मेदारियाँ

बतौर कोल्ड चेन संचालक, **स्विच** के दौरान आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। आप पर नई bOPV वैक्सीन के रख-रखाव और कोल्ड चेन से tOPV वैक्सीन को हटाना सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होगी।

**स्विच** के बाद tOPV का कोई भी उपयोग पूरे विश्व से पोलियो उन्मूलन अभियान को खतरे में डाल सकता है। इसलिए **स्विच** के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अपनी भूमिकाओं के बारे में पढ़ें। किसी भी प्रकार का संदेह होने पर, तुरंत अपने पर्यवेक्षक से संपर्क करें।

### स्विच से पहले

#### 1. bOPV का नया स्टॉक कब मिलेगा?

- डिस्ट्रिक्ट कोल्ड चेन प्वाइंट को **स्विच** से लगभग दो सप्ताह पहले bOPV मिल जाएगा। इस वैक्सीन सप्लाई को आइस-लाइण्ड रेफ्रिजरेटर (ILR) में, अंतिम कार्डबोर्ड पैकिंग (दूसरी पैकिंग) को खोले बगैर रखा जाना चाहिए।
- कोल्ड चेन प्वाइंट/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों/शहरी स्वास्थ्य केंद्र को **स्विच** से 1-2 दिन पहले bOPV मिल जाएगा।

#### 2. bOPV स्टॉक को कहाँ रखा जाना चाहिए?

bOPV स्टॉक को ILR में 2-8°C में रखा जाना चाहिए। याद रखें कि राष्ट्रीय स्विच दिवस से दो सप्ताह पहले, जिला स्तर पर bOPV और tOPV दोनों ही वैक्सीन कोल्ड चेन में साथ होंगे। यह सुनिश्चित करें कि tOPV और bOPV स्टॉक को अलग-अलग रखा गया है और किसी भी प्रकार की मिक्सिंग से बचने के लिए उन पर स्पष्ट निशान बनाए गए हैं।

bOPV को **स्विच** दिवस 25 अप्रैल 2016 से पहले नियमित टीकाकरण या अभियानों के लिए उपयोग नहीं किया जाएगा। **bOPV के डिब्बों को वितरण के लिए सिर्फ 25 अप्रैल 2016 को ही खोला जाएगा।**

### स्विच के दौरान

#### 1. स्विच के दौरान क्या होगा?

जिला स्विच टीमों का गठन अधिसूचित स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा किया गया है। उन्हें पुश-एक्सचेंज के लिए एक वाहन दिया जाएगा जिसके द्वारा वे कोल्ड चेन प्वाइंट जाकर bOPV की वैक्सीन पहुँचाएँगे और सभी बची हुई tOPV नष्ट करने के लिए ले लेंगे। एक टीम एक दिन में कई कोल्ड चेन प्वाइंट पर जाकर वैक्सीन का **स्विच** करेगी।



एक कोल्ड चेन प्वाइंट पर पहुँचने के बाद, जिला स्विच टीम निम्न कार्य करेगी:

- 1 बाकी बचे सभी tOPV को एकत्र करेगी।
- 2 दो माह की अवधि के लिए bOPV देगी।
- 3 कोल्ड चेन प्वाइंट पर tOPV न होने को प्रमाणित करेगी।
- 4 स्विच से पहले होने वाले आखिरी सत्र के बाद सभी पूर्ण/आंशिक रूप से उपयोग किए गए tOPV वायल की वापसी से संबंधित सभी ए.एन.एम. द्वारा जमा किए गए दस्तावेज के प्रमाणपत्र एकत्र करेगी।

## 2. स्विच के समय बाकी बचे tOPV स्टॉक के साथ क्या करना चाहिए?



- 1 कोल्ड चेन से सभी tOPV हटा दें।
- 2 स्पष्ट रूप से 'निपटान के लिए WASTE' लिखकर बाकी बचे tOPV को पैक कर दें। इस पैक को अन्य वैकसीन से अलग रख दें। यह पैकेट अब WASTE है और इसे ILR में न रखें।
- 3 बाकी बची सभी सीलबंद tOPV पैकेट को जिला स्विच टीम को सौंप दें जो आपके कोल्ड चेन प्वाइंट पर आएगी।

## 3. कोल्ड चेन प्वाइंट पर जिला स्विच टीम कब आएगी?

नियमित टीकाकरण के अंतिम दिन और स्विच दिवस के बीच जिला स्विच टीम आपके कोल्ड चेन प्वाइंट पर आएगी।

## 4. कोल्ड चेन प्वाइंट से बची हुई tOPV अगर स्विच दिवस तक भी नहीं उठाई जाती है तो क्या करना चाहिए?

कोल्ड चेन प्वाइंट से बची हुई tOPV अगर स्विच दिवस तक भी नहीं उठाई जाती है तो इसकी सूचना अपने चिकित्सा अधिकारी और जिला कोल्ड चेन प्रबंधक को तत्काल देनी चाहिए। वे अनिवार्य कार्रवाई करेंगे।

## 5. क्या ए.एन.एम. या कोल्ड चेन संचालक tOPV स्टॉक को खुद नष्ट कर सकते हैं?

नहीं, ए.एन.एम. या कोल्ड चेन संचालक tOPV स्टॉक को खुद नष्ट नहीं कर सकते हैं। सभी tOPV स्टॉक को जिला स्विच टीम को ही सौंप देना होगा।

## स्विच के बाद

### 1. स्विच के बाद बाकी बचे tOPV का क्या होगा?

सुरक्षित निपटान के लिए बाकी बचे सभी tOPV को जिले में वापस कर दिया जाएगा।

### 2. क्या tOPV स्टॉक को हटाए जाने और उसके निपटान की निगरानी की जाएगी?

हाँ, tOPV स्टॉक को हटाए जाने और उसके निपटान की निगरानी के लिए स्वतंत्र स्विच मॉनिटर सभी स्वास्थ्य केंद्रों और कोल्ड चेन प्वाइंट का दौरा करेंगे।

### 3. स्विच के बाद किस वैक्सीन का उपयोग किया जाना चाहिए?

नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों में स्विच के बाद सिर्फ bOPV का उपयोग करें। याद रखें, स्विच दिवस 25 अप्रैल 2016 को या उसके बाद tOPV का उपयोग न करें।

### 4. स्विच के बाद अगर tOPV वायल मिले तो क्या करना चाहिए?

स्विच के बाद अगर tOPV वायल मिले तो:

- मार्कर पेन का उपयोग करते हुए वायल पर क्रॉस (X) का निशान लगाएँ।
- तत्काल आपके स्वास्थ्य केंद्र के उत्तरदायी चिकित्सा अधिकारी को इसकी जानकारी दें।
- सुरक्षित निपटान के लिए tOPV वायल को जिला मुख्यालय में भेज दें।

## महत्वपूर्ण तारीखें

### तैयारी » जनवरी - मार्च 2016

- » अंतिम tOPV डिलिवरी प्राप्त करें।
- » जरूरत के अनुसार बाकी बचे tOPV स्टॉक का फिर से वितरण करें।
- » प्रशिक्षण सामग्री तैयार करें।

### कार्यान्वयन » अप्रैल 2016

- » स्विच मॉनिटर और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें।
- » आस-पास और सेवा केंद्रों पर bOPV का वितरण करें।

### राष्ट्रीय स्विच दिवस » 25 अप्रैल 2016

- » tOPV का उपयोग बंद कर दें।
- » कोल्ड चेन से tOPV हटा दें।
- » निपटान के लिए सभी tOPV भेज दें।
- » bOPV का उपयोग शुरू करें।

### वैधता » 25 अप्रैल - 9 मई 2016

- » tOPV का पूर्ण निपटान करें।
- » tOPV के निपटान को प्रमाणित करें।

### राष्ट्रीय वैधता दिवस » 9 मई 2016

देश के tOPV मुक्त होने की घोषणा



tOPV से bOPV  
**स्विच**

25 अप्रैल  
2016

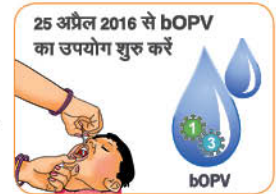
## ए.एन.एम. की जिम्मेदारियाँ

ए.एन.एम. होने के नाते, **स्विच** के दौरान आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आप नियमित टीकाकरण और पोलियो अभियानों के दौरान बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाती हैं। इसलिए **स्विच** के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अपनी भूमिकाओं के बारे में पढ़ें। किसी भी प्रकार का संदेह होने पर तुरंत अपने पर्यवेक्षक से संपर्क करें।

### स्विच से पहले

#### 1. बच्चे हुए tOPV का क्या करना चाहिए?

- नियमित टीकाकरण सत्रों के दौरान सुरक्षित वैक्सीन वायल मॉनिटर वाले tOPV वायल का उपयोग 24 अप्रैल 2016 तक कर सकते हैं।
- **स्विच** दिवस 25 अप्रैल 2016 को या उसके बाद tOPV वायल का उपयोग नहीं किया जा सकता है।



#### 2. नई bOPV वायल कब मिलेगी?

25 अप्रैल 2016 से bOPV उपयोग करने के लिए दी जाएगी।

### स्विच के दौरान

#### 1. tOPV वायल कब वापस करनी चाहिए?

- 24 अप्रैल 2016 से पहले, अंतिम नियमित टीकाकरण सत्र के बाद, उप-केंद्र पर बची हुई सभी tOPV वायल (खुली हुई और बंद) को कोल्ड चेन प्वाइंट को वापस कर देनी चाहिए।
- tOPV की सभी वायल को वापस करने वाले प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करें और इसे कोल्ड चेन संचालक को दे दें।



### स्विच के बाद

#### 1. अगर कोई tOPV वायल मिलती है तो क्या करना चाहिए?

अगर 25 अप्रैल 2016 के बाद आपको कोई tOPV वायल मिले, तो उसका उपयोग न करें।

- मार्कर पेन का उपयोग करते हुए वायल पर क्रॉस (X) का निशान लगाएँ।
- उस WASTE वायल को तत्काल कोल्ड चेन प्वाइंट को वापस कर दें। इन वायल को सुरक्षित निपटान के लिए जिले में भेजा जाएगा।





स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए यूनिसेफ द्वारा प्रकाशित